पद ३२६

(राग: पिलु जिल्हा - ताल: दीपचंदी)

साधु होगा सो रंडीकु लग रे ।।ध्रु.।। उस रंडी का बदन बड़ा है। जामे निकसत जग रे।।१।। माणिक गुरु लागा सो लागा। साडीकु पोंछ गया ठग रे।।२।।